

गणित के डर को आकर्षण में बदलने गतिविधि आधारित शिक्षण पर शिक्षकों को मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर में द आर्ट ऑफ टीचींग मैथैमैटिक्स : फ्रॉम फिक्ड टू फैसिलिटेशन विषय पर विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को गणित शिक्षण की ऐसी नवीन, गतिविधि-आधारित और रचनात्मक विधियों से परिचित कराना रहा, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों के लिए गणित को सरल, रोचक और आनंददायक बनाया जा सके।

छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर, रायपुर में मंगलवार को हदर आर्ट ऑफ टीचींग मैथैमैटिक्स : फ्रॉम फिक्ड टू फैसिलिटेशन विषय पर विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को गणित शिक्षण की ऐसी नवीन, गतिविधि-आधारित और रचनात्मक विधियों से परिचित कराना रहा, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों के लिए गणित को सरल, रोचक और आनंददायक बनाया जा सके।

प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सोनामणि बोरा तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रशांत कविवर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में गणित

को केवल पाठ्यपुस्तक, सूत्रों और गणनाओं तक सीमित न रहने हुए दैनिक जीवन, अनुभव, गतिविधियों और रचनात्मकता से जोड़कर पढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि इस तरह की शिक्षण पद्धति विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि और जिज्ञासा बढ़ाने के साथ-साथ तार्किक सोच विकसित करने में भी सहायक हो सकती है।

कार्यक्रम के विशेषज्ञ इंजीनियर, ऑल इंडिया रामानुजन सोसाइटी के निदेशक एवं रामानुजन टैलेंट सर्च फाउंडेशन बेंगलुरु के मैथ्स कोच बी. एन. राय ने शिक्षकों को विभिन्न गतिविधि-आधारित एवं नवाचारापूर्ण शिक्षण विधियों का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने गणितीय अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाने के लिए व्यावहारिक



उद्घाटन और विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। रायपुर में आयोजित गतिविधि-आधारित गणित शिक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे शिक्षकों को प्रदर्शन किया गया।

को समझा। गतिविधियों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया कि कठिन प्रतीत होने वाली गणितीय अवधारणाओं को भी सरल, रोचक और प्रयोगात्मक तरीके से विद्यार्थियों तक पहुंचाया जा सकता है। शिक्षकों ने इन तकनीकों को अपने-अपने कक्षा में लागू करने के तरीकों को भी समझा।

कार्यक्रम में रायपुर के चार विकासखंडों के शिक्षकों ने ऑनलाइन सहभागिता की, जबकि पूरे रायपुर जिले के शिक्षकों के लिए कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण किया गया। इसके माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षक विशेषज्ञ द्वारा साझा की गई गतिविधि-आधारित गणित शिक्षण के विधियों से जुड़े और लाभान्वित हुए। इंटरैक्टिव सत्र में गणित शिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शिक्षकों के साथ संवाद भी किया गया। छोटे-छोटे

प्रयोग, गतिविधियां, प्रस्नोत्तर और रचनात्मक अभ्यासों के माध्यम से विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि विकसित करने के तरीकों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों को ऐसे प्रभावी शिक्षण उपकरण और तकनीक उपलब्ध कराना रहा, जिनसे विद्यार्थी गणितीय अवधारणाओं को समझकर सीखें, उनका प्रयोग करें तथा उनमें तार्किक और वैज्ञानिक सोच विकसित हो।

कार्यक्रम में शिक्षकों की उत्साहपूर्ण एवं सक्रिय सहभागिता रही। प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए गणित शिक्षण की नई तकनीकों और दृष्टिकोणों को समझा। शिक्षकों के अनुभव और सुझावों ने कार्यक्रम को अधिक संवादात्मक एवं उपयोगी बनाया। इसी तरह 23 सितंबर को बी.एड. विद्यार्थियों के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

खास खबर

दिल्ली से लौटे राष्ट्रीय गांडा महासमाज के नेताओं का रायपुर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत



दिल्ली प्रवास से लौटे राष्ट्रीय गांडा महासमाज के संस्थापक अधिवक्ता भगवान नायक, राष्ट्रीय प्रभारी बनमाली छुरा और राष्ट्रीय युवा प्रभारी आशीष तांडी का रायपुर एयरपोर्ट पर फूल-मालाओं और गाजे-बाजे के साथ जोरदार स्वागत किया गया। समाजजनों को संबोधित करते हुए भगवान नायक ने कहा - शिक्षा और संगठन गांडा समाज की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। हमारा सपना है कि गांव का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। बनमाली छुरा ने कहा - गांव से महानगर तक समाज को एक सूत्र में जोड़ना हमारा लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ से शुरू हुई एकता की आवाज देशभर तक जाएगी।

आशीष तांडी ने कहा - युवा शक्ति सामाजिक परिवर्तन की ताकत बनेगी। युवा बुद्धि, कानून-संवैधान समझ और समाज को नई दिशा देगा। पदाधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में जाति प्रमाण पत्र सहित सामाजिक मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रतिवेदन सौंपा गया। स्वागत के दौरान गांडा सेना अध्यक्ष भागीरथी नायक, अधिवक्ता केलावा हरपाल, सुभात गंगू सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कोरबा के प्रथम पीपल-वट उद्यान में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया वृक्षारोपण



रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज कोहड़िया स्थित कोरबा के प्रथम पीपल-वट उद्यान में वृक्षारोपण किया। उन्होंने उद्यान को निरंतर विकसित करते हुए हरा-भरा और सुंदर बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह उद्यान नागरिकों के लिए प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने का बेहतर स्थान बने तथा यहां आने वाले लोगों को पेड़-पौधों की छाया और बच्चों को मनोरंजन एवं खेलकूद की सुविधाएं भी मिलें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन और विधायक प्रेमचंद पटेल भी इस दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि पीपल-वट उद्यान को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप दिया जाए। यहां अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में विकसित पेड़-पौधे नागरिकों को शीतल छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकें। उन्होंने उद्यान में बच्चों के लिए आवश्यक मनोरंजन एवं खेलकूद के साधन विकसित करने की आवश्यकता भी बताई।

कविता का कोना

शिक्षा एक व्यापार बन गई,
ज्ञान लेने का काम कम,
ऐसे देने का सावन बन गई।
जिस शिक्षा में संस्कार मिलते थे,
आज उसी शिक्षा की कीमत
फीस की पची से तय होने लगी।
कभी गुरु ज्ञान का दीप जलाते थे,
शिष्य श्रद्धा से उसे अग्नितो थे,
जिसमें साधु पीछे
आज गुरु के पास समय कम है,
और शिष्य के पास सवाल बहुत है।
वही की सुई तय करती है -
कब पढ़ाना है, कब रुक जाना है,
ज्ञान की गहराई नहीं,
जिसमें साधु पीछे
बस पीरियड पूरा कर जाना है।
एक बार सबक पढ़ा दिया,
फिर दोहराने की जरूरत नहीं,
ज्या साझा या नहीं समझा -
इसकी कोई खबर नहीं।
बस कितना पुरी हो जाए,
सिखने पर तो जाए,
अंक अच्छे आ जाएं -
क्या वही शिक्षा कहकर ?
बड़े-बड़े स्कूलों की परीक्षाएं,
चमकते कमरे, सुंदर परतें पर खड़ी
लैकन बच्चे को आखिरी में झकड़ने का
समय किसी के पास नहीं।

माताओं-बहनों का सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

राजस्व मंत्री वर्मा के निवास पर आयोजित तीज मिलन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साव राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के निवास पर आयोजित तीज मिलन समारोह में शामिल हुए। पारंपरिक उल्लास और आत्मीय वातावरण में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों से भेंट कर उन्हें तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं में मातृशक्ति का विशेष स्थान है। माताओं-बहनों का सम्मान, उनकी सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि तीज का पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और आत्मीय रिश्तों से जुड़ा हुआ है। भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना का यह पर्व परिवार का सुख-समृद्धि और खुशहाली की मंगलकाल का अवसर है। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की सभी माताओं-बहनों और उनके परिवारों के सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीज का पर्व भले ही संपन्न हो चुका है, लेकिन आज इतनी बड़ी संख्या में माताओं-बहनों के बीच तीज मिलन का अवसर अव्यंत सुखद और आत्मीय है। मुख्यमंत्री निवास में भी तीज के अवसर पर प्रदेशभर से आई बहनों के साथ पर्व का उल्लास साझा करने का अवसर मिला था। हमारी परंपराओं की यही खूबसूरती है कि वे हमें परिवार और समाज से जोड़ती हैं। तथा आसानी प्रेम और आत्मीयता को मजबूत करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में आदिकाल से मातृशक्ति को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। हमारे



वेदों, पुराणों और सामाजिक परंपराओं में नारी के सम्मान और उसकी गरिमा का संदेश निहित है। हमारी संस्कृति कहती है - यश नार्यस्तु पूज्यते रमन्ते तत्र देवताः, अर्थात् जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मां परिवार की पहली शिक्षक और संस्कारों की आधारशिला होती है। माताओं-बहनों के परिश्रम, त्याग और आशीर्वाद से ही परिवार मजबूत होता है और मजबूत परिवार से सशक्त समाज तथा समृद्ध प्रदेश का निर्माण होता है। इसलिए राज्य सरकार महिलाओं को केवल योजनाओं का हितग्राही नहीं, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में बराबर का सहभागी मानकर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि महतारी मुख्य योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनी है। योजना के अंतर्गत 68 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि सीधे अंतरित की जा रही है। अब तक 31 किस्तों के माध्यम से 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हितग्राही महिलाओं के खातों में पहुंचाई जा

चुकी है। उन्होंने कहा कि इस योजना से माताओं-बहनों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव उन्हें विशेष संतोष देता है। बहनें इस राशि का उपयोग अपनी और परिवार की आवश्यकताओं के साथ बच्चों की पढ़ाई, बचत और छोटे-छोटे स्वरोजगार के लिए भी कर रही हैं। कोई बहन सुकन्या समृद्धि योजना में राशि जमा कर बेटी का भविष्य संवार रही है तो कोई सिलाई मशीन खरीदकर अपने हुनर को आजीविका में बदल रही है। यह आर्थिक संवल महिलाओं के आत्मविकास और निर्भय लेने की क्षमता को भी मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश की प्रत्येक महिला को आगे बढ़ने के लिए अवसर, संसाधन और आवश्यक सहयोग मिले। जय हमारी माताएं-बहनें आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तो परिवार मजबूत होगा और पूरे प्रदेश को प्रगति की नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककला और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में कलाकारों का अमूल्य योगदान है। हमारे कलाकार अपनी प्रतिभा के माध्यम से छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सुगंध और यहां की

परंपराओं को देश-दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। राज्य सरकार कलाकारों और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती रहेगी। मुख्यमंत्री श्री साव ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके 15 वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश में उड़क, बिजली, पेयजल और खाद्य सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में व्यापक कार्य हुए। सार्वजनिक विवरण प्रणाली को प्रभावी बनाकर जलरतन परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने की मजबूत व्यवस्था विकसित की गई, जिसके कारण डॉ. रमन सिंह को प्रदेश में चारक वाले बाबा के नाम से भी पहचान मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व में आगे और राज्य सरकार मिलकर जनकल्याणकारी योजनाओं को और अधिक बल पहुंचाने के लिए कार्य कर रही हैं। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार का प्रथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ विकसित भारत के संकल्प को दिशा में आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ भी विकसित भारत के निर्माण में अपनी सशक्त भूमिका निभाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी गई है और प्रतिदिन लगभग 1600 आवासों का निर्माण किया जा रहा है। गांवों तक आवास, पेयजल, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन किया जा

वीरगांव में सर्वोत्तर भारतीय समाज का महासम्मेलन संपन्न, हजारों ने की शिरकत



नई दृष्टिविंदु / वीरगांव

श्रीमती कोमल रंजय सिंह के नेतृत्व में सर्व

उत्तर भारतीय समाज वीरगांव का भव्य महासम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें वीरगांव, भनपुरी, उरला क्षेत्र के हजारों उत्तर भारतीयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कोमल रंजय सिंह ने 40 वाडों में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया, जिसके चलते सम्मेलन में भारी भीड़



जुटी। कार्यक्रम को सर्वोत्तर भारतीय समाज के प्रदेश अध्यक्ष मुक्तिनाथ पांडे का पूर्ण समर्थन और आशीर्वाद प्राप्त रहा। सम्मेलन में भाजपा नेता सोरभ सिंह, विधायक भावन बोहरा, विधायक मोतीलाल साहू, नंदकुमार साहू, संजय श्रीवास्तव, प्रफुल्ल विश्वकर्मा, राजीव अग्रवाल सहित

भाजपा मंडल अध्यक्ष और कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों ने सफल आयोजन के लिए कोमल सिंह की बधाई दी। कार्यक्रम में बदन सिंह, हरिशर्मा मिश्रा, विंदि सिंह, अजय सिंह, मंजित शर्मा, टाइगर गुप्ता, नीलम सिंह, सोमा चंदा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सेवा संकलन अभियान अंतर्गत सभी कार्यक्रमों का बेहतर आयोजन सुनिश्चित हो -मंत्री जायसवाल



नई दृष्टिविंदु / रायपुर

बलौदाबाजार भाटपारा जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को जिला प्रवास के दौरान संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सेवा संकलन अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रम का संकल्प की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने जनसहभागिता हेतु आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन दिए। उन्होंने आशीर्वाद का दीक्षा कार्यक्रम का जिले में बेहतर आयोजन की सराहना की औ ? आगामी सभी



कार्यक्रम को गिरामापूर्ण आयोजन की बात कही। बैठक में आगामी सभी कार्यक्रमों की तैयारी के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की उन्होंने मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम अंतर्गत विद्यालय स्तर से ब्लॉक एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये विद्यार्थियों की संख्या निर्धारण करने कहा। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम अंतर्गत अंगाबाड़ी कार्यक्रमों,सहायिका मितागिन का सम्मान,गर्भवती माताओं एवं बच्चों का हेल्थ चेक -अप एवं खेलकूद आयोजित करने के निर्देश दिये।सेवा की कहानी अंतर्गत लाभार्थियों की सफलता की कहानी सभी

मीडिया प्लेटफार्मों में जारी करने, सेवा मेरा योगदान अंतर्गत स्वच्छता अभियान गांव,शहरों,नदी,चाट,तालाब आदि की सफाई जलसहभागिता से करें। उन्होंने सेवा सेतु शिविर के सम्बन्ध में कहा कि सभी ब्लॉक में एक-एक चिह्नित गांव में आयोजित करना है जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियों की टीम मौजूद रहेगी। शिविर में मेगा हेल्थ चेकम का विशेष रूप से आयोजन किया जाए। शिविर का उद्देश्य आने वाले आवेदनों को लाभार्थी बनाकर वापस भेजने का हो। उनके समस्याओं का तत्काल निराकरण होना चाहिए।

संपादकीय

आयोजन फूहड़ता के लिए तो किया नहीं गया था

राजनीति में किसी बड़े नेता का कोई आयोजन किया जाता है तो उसका मकसद भी मुद्दे को बढ़ा व गंभीर बनाना होता है। बड़े नेता के बड़े आयोजन में जब बड़े व गंभीर मुद्दे उठाए जाने हैं तो पूरा फोकस उस पर ही रहना चाहिए ताकि देश की जनता को संदेश जाए कि इस पार्टी का बड़ा नेता इन मुद्दों का गंभीर व बड़ा मानता है और वह चाहता है कि इस पर देश खूब चर्चा होनी चाहिए और समस्या के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास भी होने चाहिए। लेकिन जब कभी भी किसी गंभीर मुद्दे पर आयोजित कार्यक्रम में गंभीर मुद्दे की जगह फूहड़ता पर फोकस ज्यादा हो जाता है तो गंभीर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए आयोजन पर सवालिया निगान लग जाता है कि यह आयोजन युवाओं के गंभीर मुद्दों को उठाने के लिए किया गया था या फूहड़ता के प्रदर्शन के लिए किया गया था। जब मीडिया व सोशल मीडिया में उस कार्यक्रम की चर्चा उभर जाए गंभीर मुद्दों की जगह फूहड़ता के लिए होती है तो देश के लोगों में तो यह धारणा बनना स्वाभाविक है कि बड़े नेता के आयोजन का मकसद गंभीर मुद्दे पर चर्चा व फूहड़ता के प्रदर्शन पर ज्यादा था।

इस पर कुछ लोग कह सकते हैं कि भारतीय राजनीति फूहड़ होती जा रही है, कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि भारतीय राजनीति में कुछ नेता फूहड़ राजनीति कर रहे हैं। भारतीय राजनीति में फूहड़ता की चर्चा एक बार फिर से खूब हो रही है तो इस बार भी इसके केंद्र में राहुल गांधी का इंदौर में आयोजित गुंज कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम छात्रों की समस्याओं को सामने लाता व उसे देश में चर्चा का विषय बनाने के लिए किया गया था। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी व आए छात्रों ने शिक्षा, भूतनी, परीक्षा, छात्रावास, रोजगार की समस्या को उठाया गया, मोदी सरकार से सवाल भी पूछे गए लेकिन कार्यक्रम में फूहड़ता का प्रदर्शन किस तरह किया गया उससे गंभीर कार्यक्रम की मीडिया व सोशल मीडिया में चर्चा एक फूहड़ कार्यक्रम के रूप ज्यादा की गई। माना गया कि इस कार्यक्रम का मकसद तो मोदी का मजक उड़ाने के साथ ही महिलाओं का अपमान करना भी था।

एक कार्यक्रम गंभीर गंभीर कार्यक्रम हो सकता था वह फूहड़ कार्यक्रम में तब बदल गया जब मंच पर मिमिक्री ऑर्टिस्ट पुलिसमैन किए आए। राहुल गांधी को गले से लगाया और फूहड़ हंसी हंस्ते हुए कहते हैं कि मेरे दिल कैसे हैं आप, राहुल गांधी करते हैं, मैं ठीक हूँ, आप कैसे हैं, मैंणि जवाब देते हैं बहुत परेशान किया है दोस्त, बार बार मेरे दोस्त कहते हुए फूहड़ हंसी हंस्ते रहते हैं फिर राहुल गांधी कहते हैं कि आप से मिलकर अच्छा लगा और मैंने से उठते हैं। आप कताएंगे मिमि फूहड़ता से संतुष्ट हैं और दवाकों की तपस्व शशरा करती हुए कहते हैं कि मां को कुर्सी दो, मां मां मां,। यह पं. बंगाल की एक रैली में बुजुर्ग महिला को खड़ी देखकर पीएम मोदी ने लोगों से कहा था कि उनको कुर्सी दो बैठने के लिए।। पुलिसकित मणि इस बात का मजाक इंदौर में उड़ाया। यह राहुल गांधी के कार्यक्रम में कोई प्रखली बार पीएम का फूहड़ तरीके से नहीं उड़ाया गया था इससे पहले दिल्ली के कार्यक्रम में भी राहुल गांधी के कार्यक्रम में डटली की पीएम का फूहड़ तरीके से मजाक उड़ाया गया था और दोनों बार राहुल गांधी इस बात नाराजगी जता सकते थे लेकिन वह दोनों पर जोरों से हंस्ते रहे खी बात देश के लोगों को बुरी लगी है कि राहुल गांधी गांधी परिवार का सदस्य व नेता प्रतिपक्ष होते हुए ऐसे फूहड़ मजाक पर जोरों से हंस कैसे सकते हैं।

लगता तो ऐसा है कि दिल्ली के कार्यक्रम से कोई सबक लेने की जगह यह समझा गया है कि जब कांग्रेस व राहुल गांधी के कार्यक्रम में पीएम मोदी का मजाक उड़ाया जाता है तो उसके बौद्धिक खूब वायरल होते हैं, खूब पसंद किए जाते हैं। यही वजह है कि दिल्ली के कार्यक्रम के बाद इंदौर के कार्यक्रम में भी दिल्ली वाले कार्यक्रम की तरह फूहड़ता से पीएम मोदी की मिमिक्री कर उनका मजाक उड़ाया गया हसके बौद्धिकों भी खूब वायरल हुए और उसकी खूब चर्चा हुई लेकिन इससे नुकसान कांग्रेस व राहुल गांधी को क्या हुआ।। इस सम्मेलन और जाने का कांग्रेस के साथ ही राहुल गांधी भी तैयार नहीं है। सच यही मान रहे हैं, मान्यता का दिखावा कर रहे हैं कि राहुल गांधी का दिल्ली के बाद इंदौर का कार्यक्रम भी बहुत सफल रहा है। जेनजी के सबसे लोकप्रिय नेता राहुल गांधी है।

जब भी कोई यह समझता है कि सच को छिपाया जा सकता है तो सच सरी तरीकों से सामने आ जाता है।। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की जेनजी का सबसे बड़ा व लोकप्रिय नेता बनाने के लिए इंदौर में गुंज कार्यक्रम का आयोजन किया। सब मानकर चल रहे थे कि दिल्ली विधि चुनाव में कांग्रेस जीत रही है और कांग्रेस इंदौर के कार्यक्रम में इस बात का दावा कर सकेगी कि देखा दिल्ली विधि में एबीवीपी को हराने के बाद सफ हो जाती है देश का जेनजी कांग्रेस व राहुल गांधी के साथ है। यह सच नहीं है कि जेनजी कांग्रेस व राहुल गांधी के साथ है, इसलिए दिल्ली विधि चुनाव में एनएसएमआई बुरी तरह हार गई और जब बात पुरी तरह सफ हो गई कि राहुल गांधी देश में फितने भी कार्यक्रम कर लें लेकिन वह जेनजी के सबसे लोकप्रिय नेता नहीं बन सकते। क्योंकि एक सबूत तो दिल्ली विधि चुनाव हारना है तथा दूसरा सबूत उनके कार्यक्रम में जेनजी आ नहीं रहे हैं तो जेनजी की जगह कांग्रेस के संगठनों के युवाओं की जुटाया जा रहा है। पीएम मोदी की तरह कांग्रेस को राहुल गांधी का एक कार्यक्रम बुक नया सों के जरिए आयोजित करके देखा चाहिए इस क्या है पता चल जाएगा।।

संपत्ति विक्रय में छग गृह निर्माण व अधोसंरचना विकास मंडल ने रचा नया कीर्तिमान

सुनील निपाटी, सहायक संचालक जनसंपर्क रायपुर

छत्तीसगढ़ में आवासीय सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को नई गति देने की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने संपत्ति विक्रय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों में गति, पारदर्शिता और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में वित्त, आवास एवं परिवहन मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन, विक्रय प्रक्रिया को सरल बनाने और हितग्राहियों की सुविधा को प्राथमिकता देने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

मंडल के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मात्र 2 वर्ष 8 माह की अवधि में 7,650 संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 2,869 संपत्ति रहा है। यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों के प्रदर्शन की तुलना में मंडल की विक्रय क्षमता में आई उल्लेखनीय वृद्धि की दशातां है। वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों की अवधि में मंडल द्वारा कुल 7,793 संपत्तियों का विक्रय किया गया था। इस दौरान वार्षिक औसत लगभग 1,559 संपत्ति रहा। इसके मुकाबले वर्ष 2024 से अगस्त 2026 की वर्तमान अवधि में वार्षिक औसत बढ़कर लगभग 2,869 संपत्ति हो गया है। अर्थात् पिछले पांच वर्षों की तुलना में वर्तमान अवधि में मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय में लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

केवल संख्या नहीं, विक्रय मूल्य में भी बड़ी छलांग

मंडल की उपलब्धि केवल संपत्तियों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि संपत्ति विक्रय से प्राप्त राशि में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मंडल द्वारा कुल 1,609.18 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 603 करोड़ रुपये रहा।

वहीं वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में कुल 1,362.21 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय हुआ था। इस अवधि में वार्षिक औसत विक्रय मूल्य 272.44 करोड़ रुपये रहा। वर्तमान अवधि में यह औसत बढ़कर लगभग 603 करोड़ रुपये हो गया है। इस तरह मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय मूल्य में पिछले पांच वर्षों की तुलना में दो गुने से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। ये आंकड़े बताते हैं कि मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के प्रबंधन और विक्रय को लेकर अपनाई गई कार्यवाही प्रभावी रही है। संपत्तियों के बेहतर उपयोग, मांग के



अनुसूचित वर्गों के निवास, हितग्राहियों के लिए प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने तथा लॉकड मालाओं के निराकरण पर ध्यान देने से विक्रय प्रतिबन्धियों में तेजी आई है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में विकास और सुशासन पर जोर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ शासन की प्रक्रियाओं की अधिक सरल, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। नागरिकों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध हो और सरकारी संस्थाओं की संपत्तियों का बेहतर उपयोग हो, इस दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

यह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में सामने आई यह वृद्धि इसी व्यापक दृष्टिकोण से जुड़ी हुई है। मंडल की संपत्तियों के प्रभावी उपयोग से एक ओर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों को आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं।

वित्त व आवास मंत्री के मार्गदर्शन में परिणामोन्मुख कार्यप्रणाली

वित्त, आवास एवं परिवहन मंत्री ओपी चौधरी द्वारा विभागों संस्थाओं में कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाम आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गृह निर्माण मंडल की संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और विक्रय प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए भी इसी दृष्टिकोण के अनुसरण कार्य किया जा रहा है। मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के लिए संपत्ति खरीदने की प्रक्रिया

अधिक सहज हुई है। मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के साथ उनकी मूला, रखा और उपयोगिता की ध्यान में रखते हुए विक्रय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास किया जा रहा है। इससे मंडल की उपलब्ध संपत्तियों का उपयोग बढ़ा है और नागरिकों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप संपत्ति प्राप्त करने के अवसर भी मिले हैं।

आंकड़े बता रहे बदलाव की तस्वीर

पिछले पांच वर्षों और वर्तमान अवधि के प्रदर्शन की तुलना की जाए तो मंडल की उपलब्धि स्पष्ट रूप से सामने आती है। वर्ष 2019 से 2023 के दौरान मात्र पांच वर्षों में 7,793 संपत्तियों का विक्रय हुआ, वहीं वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक केवल 32 माह में 7,650 संपत्तियां संपत्ति का जा चुकी है। इसी तरह संपत्ति विक्रय में प्रारंभ की पांच वर्षों के 1,362.21 करोड़ रुपये की तुलना में वर्तमान 32 माह में 1,609.18 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इस तरह कम अवधि में लगभग पिछले पांच वर्षों के बराबर संपत्तियों का विक्रय और उससे भी अधिक मूल्य की संपत्तियों का विक्रय मंडल की कार्यप्रणाली में आए बदलाव को रेखांकित करता है।

आवास और अधोसंरचना विकास के लिए मजबूत आधार

गृह निर्माण मंडल का मूल उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आवासीय एवं अधोसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा देना है। संपत्ति विक्रय में आई तेजी से मंडल के संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होने के साथ भविष्य की आवासीय एवं विकास योजनाओं के लिए भी बेहतर आधार तैयार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और वित्त एवं आवास मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा संपत्ति प्रबंधन व विकास की गति की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। संपत्तियों का बेहतर उपयोग, लॉकड मालाओं का निराकरण, हितग्राहियों को सुविधाजनक सेवाएं और पारदर्शी विक्रय व्यवस्थापन इन सभी प्रयासों का सम्मिलित प्रभाव मंडल के प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है।

गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में तेजी आई है

गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में हुई वृद्धि के पीछे केवल अधिक संपत्तियों को बाजार में उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों की सुविधा को केन्द्र में रखकर प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने का प्रयास भी महत्त्वपूर्ण है। आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय में पारदर्शिता, सरलता और सुविधा पर जोर दिए जाने से नागरिकों के लिए संपत्ति खरीदने की प्रक्रिया

गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में तेजी आई है

गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में हुई वृद्धि के पीछे केवल अधिक संपत्तियों को बाजार में उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों की सुविधा को केन्द्र में रखकर प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने का प्रयास भी महत्त्वपूर्ण है। आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय में पारदर्शिता, सरलता और सुविधा पर जोर दिए जाने से नागरिकों के लिए संपत्ति खरीदने की प्रक्रिया

औद्योगिक निवेश की दिशा में हब के रूप स्थापित हो रहा छत्तीसगढ़

नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 से निवेश, रोजगार और नवाचार को मिल रहा बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्रों में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में तैयार हुई। 01 नवंबर 2024 से 31 मार्च 2030 तक प्रभावी यह नीति उद्योगों को आकर्षित प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार, औद्योगिक विकास, नवाचार और क्षेत्रीय औद्योगिक संतुलन पर विशेष जोर देती है। उक्त नीति अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विजन-2047 पर केन्द्रित है जिसके तहत मौजूदा उद्योगों के विस्तार, विविधीकरण, आधुनिकीकरण और प्रतिस्पर्धा के लिए साधन तैयार व प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नए एवं उभरते हुए क्षेत्रों में फोकस किया गया है।

निवेशकों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन

नवीन औद्योगिक विकास नीति के तहत पात्र उद्योगों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, व्याज अनुदान, Net SGST प्रतिपूर्ति, बिजली शुल्क में छूट, स्ट्याम ड्यूटी में छूट, तकनीकी एवं पेटेंट सहायता तथा रोजगार आधारित प्रोत्साहन जैसे अनेक लाभ दिए जा रहे हैं। पात्रता के अनुसार स्ट्याम ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक की छूट, कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी 50 प्रतिशत तक तथा EPF



प्रतिपूर्ति 75 प्रतिशत तक का प्रावधान है।

नए क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहन

नीति को दायरा पारंपरिक खनिज आधारित उद्योगों तक सीमित नहीं है। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, एआई एवं रीगेनरिक्स, रक्षा, एगरोप्रेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों की भी विशेष प्रोत्साहन दिया गया है।

एमएसएमई व स्थानीय उद्यमिता के साथ रोजगार और कौशल विकास पर जोर

नीति में सूक्ष्म, माध्यम व उद्यमों (MSME) को विशेष सहायता का प्रावधान है। विकासखंडों का संचालन समूहों में वर्गीकृत कर पिछड़े एवं अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्रों में निवेश को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया गया है। ICSIT उद्यमियों के लिए भी विशेष प्रोत्साहन पैकेज उपलब्ध है। इसके अलावा नई औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर

अधिक सहज हुई है। मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के साथ उनकी मूला, रखा और उपयोगिता की ध्यान में रखते हुए विक्रय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास किया जा रहा है। इससे मंडल की उपलब्ध संपत्तियों का उपयोग बढ़ा है और नागरिकों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप संपत्ति प्राप्त करने के अवसर भी मिले हैं।

आंकड़े बता रहे बदलाव की तस्वीर

पिछले पांच वर्षों और वर्तमान अवधि के प्रदर्शन की तुलना की जाए तो मंडल की उपलब्धि स्पष्ट रूप से सामने आती है। वर्ष 2019 से 2023 के दौरान मात्र पांच वर्षों में 7,793 संपत्तियों का विक्रय हुआ, वहीं वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक केवल 32 माह में 7,650 संपत्तियां संपत्ति का जा चुकी है। इसी तरह संपत्ति विक्रय में प्रारंभ की पांच वर्षों के 1,362.21 करोड़ रुपये की तुलना में वर्तमान 32 माह में 1,609.18 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इस तरह कम अवधि में लगभग पिछले पांच वर्षों के बराबर संपत्तियों का विक्रय और उससे भी अधिक मूल्य की संपत्तियों का विक्रय मंडल की कार्यप्रणाली में आए बदलाव को रेखांकित करता है।

आवास और अधोसंरचना विकास के लिए मजबूत आधार

गृह निर्माण मंडल का मूल उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आवासीय एवं अधोसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा देना है। संपत्ति विक्रय में आई तेजी से मंडल के संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होने के साथ भविष्य की आवासीय एवं विकास योजनाओं के लिए भी बेहतर आधार तैयार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और वित्त एवं आवास मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा संपत्ति प्रबंधन व विकास की गति की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। संपत्तियों का बेहतर उपयोग, लॉकड मालाओं का निराकरण, हितग्राहियों को सुविधाजनक सेवाएं और पारदर्शी विक्रय व्यवस्थापन इन सभी प्रयासों का सम्मिलित प्रभाव मंडल के प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है।

गृह निर्माण मंडल की यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि जब सरकारी संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन, सरल प्रक्रिया और हितग्राहियों के लिए अधिक साधन आगे बढ़ते हैं, तो इसका सीधा लाभ नागरिकों और विकास गतिविधियों को मिलता है। आने वाले समय में भी मंडल द्वारा पारदर्शी एवं सुविधाजनक व्यवस्था को और मजबूत करके हुए संपत्ति विक्रय को नीति देना प्राथमिक में आवास एवं अधोसंरचना विकास को नई ऊंचाई देने के प्रयास जारी रहेंगे।

रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा युवाओं के कौशल विकास को प्रोत्साहित करना नीति का प्रमुख ध्येय है। रोजगार सृजन से जुड़े उद्योगों के लिए विशेष सहायता का प्रावधान किया गया है।

नए व उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान

छत्तीसगढ़ की नवीन औद्योगिक विकास नीति में पारंपरिक खनिज एवं कृषि आधारित उद्योगों के साथ-साथ कई नए क्षेत्रों को बढ़ावा दिया गया है। जैसे—फार्मास्यूटिकल्स एवं मेडिकल डिवाइस, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा सेंटर, एआई एवं रीगेनरिक्स, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एगरोप्रेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, पर्यटन, स्टील, खनिज कैपेबिलिटी सेंटरस इत्यादि के प्रोत्साहन की व्यापक संभावनाओं का प्रावधान इसमें किया गया है।

सब्सिडी के जरिए आर्थिक प्रोत्साहन

नवीन औद्योगिक विकास नीति के अंतर्गत विभिन्न पात्र उद्योगों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, व्याज अनुदान, तकनीकी पेटेंट सब्सिडी, टेक्नोलॉजी खरीद सब्सिडी, रोजगार सहायता, ईपीएफ प्रतिपूर्ति और स्ट्याम ड्यूटी में छूट जैसी सुविधाएं दी गई हैं। प्रमुख सुविधाओं में 100 प्रतिशत तक स्ट्याम ड्यूटी छूट, 50 प्रतिशत तक कैपिटल इन्वेस्टमेंट, व्याज, टेक्नोलॉजी खरीद, टेक्निकल पेटेंट सब्सिडी और 75 प्रतिशत तक ईपीएफ प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान किया गया है।

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तक: बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद

सौरभ वाघार्या

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार घिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ उचित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की डेनग्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है।

जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की व्ब्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकों और व्यावसायिक प्रक्रियाओं का पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्तियों की संचय पर चिकित्सकीय उपचार ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है।

हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल व्ब्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरनैशनल मॉर्केटिंग के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है।

यहां सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों से संकेत दिया है कि व्ब्यूडेंगा को भारत के सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दृष्टिकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरूआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक और प्रभावशाली रूस्यता प्राप्त तभी संभव होगा जब सरकार और वैज्ञानिक संस्थानों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए।

किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निश्चय केवल उच्चतम उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन



आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। व्ब्यूडेंगा का भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई प्रतिक्रियाएं हो रही हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी कर लेते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह—सभी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित

करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझे, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में।

डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य प्रेक्षकों के साथ जुड़ाव को भी महत्व दिया जाएगा। यह प्रयास इसलिए उपयोगी हो सकता है क्योंकि वैक्सीन के जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं की बारे में सही जानकारी चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से

ही मिलनी चाहिए।

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुभ आत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा।

सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी।

भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए व्ब्यूडेंगा की संभावित उपलब्धि निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखा अधिक उचित होगा। आखिरकार, किसी वैक्सीन की सफलता केवल इस बात से पता नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कमीती यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के हिस्से बन पाती है। डेंगू से जुड़ा हर भारत के लिए यह उम्मीद का एक नई किरण बज्ज है, लेकिन सरु क्रियण को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा में बदलने के लिए विज्ञान, नीति और जनघातदारी—तीनों का साथ जरूरी होगा।

जुनवानी पीएम आवास कॉलोनी में दुर्ग पुलिस की सरप्राइज चेकिंग, गुंडा-बदमाशों पर निगरानी

जांच में अनधिकृत रूप से रह रहे और नियमों के विपरीत किराये पर दिए गए आवासों की जानकारी एकत्र की गई



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

भिलाई नगर क्षेत्र के जुनवानी खमरिया स्थित पीएम आवास कॉलोनी में दुर्ग पुलिस ने सोमवार

सुबह 5 बजे सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया। भिलाई नगर सोएसपी निशांत पाठक के नेतृत्व में स्मृति नगर चौकी सहित तीन थानों की संयुक्त टीम ने घर-घर जाकर निवासियों के दस्तावेजों

का सत्यापन किया और संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी जुटाई। पुलिस का उद्देश्य गुंडा-बदमाश और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के संभावित

ठिकानों पर निगरानी रखना और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। जांच में अनधिकृत रूप से रह रहे और नियमों के विपरीत किराये पर दिए गए आवासों की

जानकारी भी संकलित की गई, जिसे नगर निगम को कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। दुर्ग पुलिस ने कहा कि अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के लिए इस तरह की चेकिंग लगातार

जारी रहेगी। साथ ही अपील की कि मकान किराये पर देने से पहले किरायेदार का सत्यापन जरूर कराएं और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर पुलिस को सूचना दें।

खास खबर

महिला संबंधी अपराध में पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



महिला संबंधी संवेदनशील मामले में घुमका थाना पुलिस और साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। प्राचीया की रिपोर्ट पर थाना घुमका में 20 सितंबर को अपराध क्रमिक 117/2026 के तहत धारा 65(1) BNS और पाँको एक्ट की धारा 4, 6 के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामला संवेदनशील होने पर एसपी अंकिता शर्मा, एसपी कोतन राठौर और एसडीओपी डोंगरगांव मंजुलता बाज के निर्देशन में थाना प्रभारी अब्दुल समीर के नेतृत्व में टीम ने आरोपी को पतासाजी शुरू की।

विवेचना में धारा 64(2)(i), 64(2)(m) BNS भी जोड़ी गई है। पुलिस ने आरोपी रवेश कुमार पिता रतन लाल राव (20 वर्ष), निवासी ईरहाली, थाना घुमका को हिरासत में लेकर पुछताछ की, ज़ुर्म कबूल करने पर 22 सितंबर को गिरफ्तार कर ज्वालालय में पेश किया गया।

मा वैष्णवी संगीत महाविद्यालय कथक की छात्रा राधाया अग्रवाल ने तबले की थाप पर कथक नृत्य राष्ट्रीय चक्रधर समारोह 2026 में दी अदभुत प्रस्तुति



नई दृष्टिबिंदु / सागरद

राष्ट्रीय 41वें चक्रधर समारोह के सातवें दिन के रात्रि कालीन प्रोग्राम में मां वैष्णवी संगीत महाविद्यालय सागरद शाखा रायागढ़ की छात्रा आहाना अग्रवाल ने भारतीय शास्त्रीय कथक नृत्य की समृद्ध व गौरवशाली गुरु शिष्य परम्परा का एक अद्भुत और अविस्मरणीय रायागढ़ घराने की प्रदर्शित करते हुए सर्व प्रथम भगवान शिव जी की सौते एवं रायागढ़ घराने की कुछ बोल जैसे पंथी परन, आदम, तोड़े, टुकड़े, शिव तांडव आहाना के नृत्य ने तबले की थाप से सभागार में उपस्थित संगीत प्रेमीयों एवं गुनीजों को मंत्र मुग्ध को कर दिया। इनके सखा कथक नृत्य में संगतकार पड़रुत में राष्ट्रीय कथक नृत्यांगना गुरु प्रति वैष्णव, गायन में लालाराम लोनिचा रायपुर, तबले में संगत रुद्र वैष्णव एवं दीपक साहू, सितार में प्राचाजी लोलाधर वैष्णव द्वारा किया गया।

मां वैष्णवी संगीत महाविद्यालय सागरद रायागढ़ के गुरु प्राचार्य एल.डी. वैष्णव एवं उप प्राचार्य प्रति रुद्र वैष्णव के निर्देशन में राष्ट्रीय चक्रधर समारोह में आहाना अग्रवाल ने अद्भुत प्रस्तुति दी। सागरद एवं शाखा रायागढ़ के समस्त कला साधक उभरते हुए छात्र-छात्राओं को संस्था प्रमुख प्राचार्य एल डी वैष्णव एवं कलापति एवं सभी बड़े गुरुजनों ने आहाना को उज्ज्वल भविष्य एवं शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद प्रदान किए।

प्रतियोगिता

हिंदी अनुरागी हैं और कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के शत-प्रतिशत प्रयोग के लिए योगदान दें

केन्द्रीय विपणन संगठन भिलाई में नराकास स्तरीय हिंदी स्पर्धाओं का समापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में सेले, केन्द्रीय विपणन संगठन, शाखा विक्रय कार्यालय, सेक्टर-1, भिलाई द्वारा नराकास स्तरीय 'हिंदी निबंध प्रतियोगिता' और 'चित्र देखो-कविता लिखो' प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम शाखा विक्रय कार्यालय के प्रथम तल सभागार में हुआ। संस्थान प्रमुख महाप्रबंधक (विक्रय) संतोष पात्रा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि हिंदी में कामकाज के प्रसार के लिए ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे। विक्रय निवासी प्रबंधक विजय कुमार ने कहा कि सही हिंदी अनुरागी हैं और कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के शत-प्रतिशत प्रयोग के लिए योगदान दें।

प्रतियोगिताएं जुन-गुलाई में ऑनलाइन आयोजित हुई थीं। निर्णायक नितिन गुप्ता (सहायक अधीक्षक, डाकघर दुर्ग) और जितनंद दास माणिकपुरी (उप प्रबंधक, राजभाषा, बीएसपी) रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप



प्रज्वलन से हुआ। राजभाषा अधिकारी नेहा जंघेल ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला।

पुरस्कार विजेता

हिंदी निबंध प्रतियोगिता: प्रथम - अमृता गंगरादे (महाप्रबंधक, बीएसपी), द्वितीय - सौरभ मिश्रा (पैकर,

डाक विभाग) और तृतीय - गरिमा चंद्रा (कार्यालय प्रशिक्षु, शाखा विक्रय कार्यालय) रही।

चित्र देखो-कविता लिखो: प्रथम - केदार नाथ सोननेर (व्याख्याता, बीएसपी), द्वितीय - अमृता गंगरादे (बीएसपी) और तृतीय - विजेन्द्र कुमार वर्मा (बीएसपी) रहे।

छत्तीसगढ़

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस : ब्रह्माकुमारीज का महिला महासम्मेलन, "सफलता पहचान देती है, परिवार अपनापन" - चक्रधारी दीदी

विश्व हिंसा और युद्ध के संकट से जूझ रहा है, वास्तविक शांति सकारात्मक दृष्टिकोण से ही संभव -सविता बहन



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर-7 पीस अडिक्टोरियम में "आंतरिक शांति से सशक्त नारी - विश्व शांति की शिल्पकार" विषय पर भव्य महिला महासम्मेलन का आयोजन किया गया। रशिया सेवा केन्द्रों की निदेशिका और महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चक्रधारी दीदी ने कहा - "सफलता पहचान देती है, जबकि परिवार अपनापन देता है।" जब व्यक्ति भीतर से अशांत होता है तो कार्य क्षमता प्रभावित होती है। हमारे विचार ही हमारी ऊर्जा हैं, इसलिए मन को सकारात्मक और शांत रखना जरूरी है।

माउंट आबू से पधारी डॉ. सविता बहन ने कहा कि विश्व हिंसा और युद्ध के संकट से जूझ रहा है, वास्तविक शांति सकारात्मक दृष्टिकोण से ही संभव है। शांति किसी स्थान में नहीं, हमारे विचारों में है। उन्होंने कहा नारी के सहज गुण सहनशीलता, त्याग, सेवा और करुणा हैं, इन्हें आवलन से जोड़कर नारी शांति स्थापना में बड़ी

भूमिका निभा सकती है।

भिलाई सेवा केन्द्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि विश्व शांति की जिम्मेदारी नारी शक्ति के कंधों पर है। कार्यक्रम में तीन स्तर - स्वयं में शांति, परिवार में शांति और समाज-विश्व में शांति का संदेश दिया गया। डिवाइड ग्रुप के बच्चों ने 'सुजन की शक्ति' पर नृत्य-नाटिका

प्रस्तुत की।

सम्मेलन में रजनी बघेल, रिचा सेन, जिला जनपद अध्यक्ष लता साहू, लता शाह, सुमन कन्नौजी, असिस्टेंट कमांडेंट प्रजा भेशम सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही। संचालन ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने किया।



छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन की बैठक, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी पर चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन की विशेष बैठक रविवार 20 सितंबर को होटल सारार इंटरनेशनल, दुर्ग में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष कलाश जैन चारमेया ने की।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष तुलसी सोनी, महासचिव कृष्णा साहू, कोषाध्यक्ष संतोष देवानंद सहित नरकर टंडन, महेश पटेल, संतोषी माझी, धारिणी जोशी, जे भुनेश्वर राय, सुरेंद्र सूरि, आरिफ अली खान, अखिलेश पांडेय, प्रशांत मिश्रा, लोमन सिंह, पतंजलि झा, जयदीप साहू,



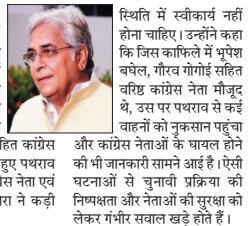
रणजीत टांडी आदि उपस्थित रहे।

बैठक में 26-27 सितंबर को भिलाई में आयोजित होने वाली छत्तीसगढ़ राज्य क्लासिक खंडपावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी निर्माणकर्ताओं और पदाधिकारियों से सहयोग का अनुरोध किया गया। कई महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही 22 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाली फेडरेशन एवं वेस्ट जॉन राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए आर्थिक सहयोग देने और हर संभव मदद का आश्वासन सभी पदाधिकारियों ने दिया।

भूपेश बघेल के काफिले पर हमला लोकतंत्र पर हमला : अरुण वोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

असम के नगांव में चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं असम कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस



अरुण वोर ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेताओं के काफिले पर पत्थर और बोलतों से हमला किया जाना बेहद गंभीर और चिंताजनक घटना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद और विरोध अपनी जगह हैं, लेकिन हिंसा और डर का माहौल किसी भी

स्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस काफिले में भूपेश बघेल, गौरव गोंगोई सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद थे, उस पर पथराव से कई वहांनों को नुकसान पहुंचा और कांग्रेस नेताओं के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। ऐसी घटनाओं से चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और नेताओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। वोर ने कहा कि घटना की निष्पक्ष जांच कर दायित्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। चुनाव प्रचार के दौरान सभी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को पार्षदा सुरक्षा उपलब्ध कराना प्रशासन और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है।



थ्रिलर फिल्म 'प्रताप' में दमदार पुलिस अधिकारी के अवतार में नजर आएंगे अमित साध

मुंबई प्रदीप रंगवानी और युवी फिल्मस ने अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म 'प्रताप' का दमदार फर्स्ट लुक जारी करने के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अमित साध अभिनीत यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में अमित साध एक प्रभावशाली पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। हाथ में बंदूक थामे उनका सख्त और तीखा अंदाज तुरंत ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी के साथ पोस्टर में दिखाई गई टूटी हुई दुनिया संघर्ष, खतरे और रहस्य से भरी कहानी की ओर इशारा करती है, जहां चीजें वैसी नहीं हैं जैसी पहली नजर में दिखाई देती हैं। पोस्टर पर लिखा दमदार टैगलाइन 'इस बार निशाना बाहर नहीं, भीतर है।' फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा रहा है। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित 'प्रताप' एक सम्मानित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है, जिसकी जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल जाती है जब उसे उसी कानून का सामना करना पड़ता है, जिसकी रक्षा और पालन वह वर्षों से करता आया है। यह दिलचस्प कहानी कर्तव्य, वफादारी और कानून तथा उसे लागू करने वालों के बीच के संघर्ष को एक रोमांचक थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत करती है। अमित साध के साथ फिल्म में ईशा देओल, हिमंशु घुलिया, मिलिंद गुणाजी और सीमा बिस्वास जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फर्स्ट लुक पोस्टर में फिल्म के प्रमुख किरदारों को टूटे हुए कांच की आकृषक विजुअल शैली के जरिए दिखाया गया है, जो फिल्म की जटिल और रहस्यमयी दुनिया की झलक तो देता है, लेकिन कहानी के कई राज अभी भी छिपाकर रखता है। अपने दिलचस्प कथानक, दमदार कलाकारों की टोली और प्रभावशाली फर्स्ट लुक के साथ 'प्रताप' एक ऐसी रोमांचक थ्रिलर बनने का संकेत देती है, जहां जो व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य का पीछा करता था, अब शायद खुद भी निशाना बन गया है।



मंशाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू, इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'महेश अब मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत होने की खबर सामने आई है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और तेलुगु सिनेमा के बड़े एक्टर पहली बार एक साथ काम करते नजर आ सकते हैं। भंसाली इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। फिल्म में भव्य सेट, बड़े दृश्य और नाटकीय कहानी देखने को मिल सकती है।



ईशा मालवीय की बॉलीवुड में एंट्री

गुरमीत चौधरी संग करेंगी रोमांस

'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी।

कैसे हैं ईशा और गुरमीत की फिल्म के पोस्टर?

गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

कब रिलीज होगी फिल्म 'तुम मेरे हो'?

इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो' की दुनिया में डूबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। वर्योक्ति कई बार, चार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद



जो होता है, वो कहानी है।' बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देवगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है। तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एक्शन और एवरशन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं।

साथ काम कर चुके हैं ईशा और गुरमीत

ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी 'लापर शोप 3' में साथ काम कर चुके हैं। ईशा इससे पहले पंजाबी फिल्म 'इश्क दे लेखे' में नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर में, शुरुआत टीवी शो 'उडारिया' से की थी।



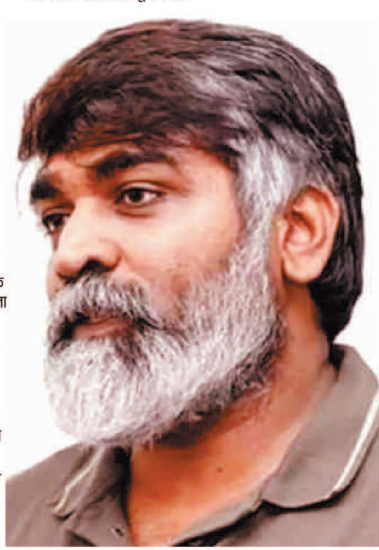
कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने चर्चित हिंदी डेब्यू प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। 'लोकह' फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया फिल्म की शूटिंग के फ्रंट पेज की झलक शेयर करते हुए बताया कि वह इन दिनों मुंबई में रणवीर सिंह के साथ शूटिंग में बिजी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ओएम पर वह तस्वीरें शेयर नहीं कर पाई, क्योंकि वह पूरी तरह 'प्रलय' की शूटिंग में उलझी हुई हैं। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं।

है। इसकी स्क्रिप्ट जय और 'लुटेरे' फेम विशाल कपूर ने लिखी है। कल्याणी फिल्म में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। पहला शेड्यूल दिवाली तक चल सकता है।

विजय सेतुपति की 'महाराजा' रचने जा रही इतिहास, हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनी

विजय सेतुपति की 'महाराजा' रचने जा रही हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनी फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इस खबर की आधिकारिक पुष्टि करते हुए इसे तमिल सिनेमा का 'ऐतिहासिक मौल का पथ' बताया है। जून 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप स्टार 'महाराजा' ने धरोलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ ग्लोबल मार्केट में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया था। फिल्म की सफलता का असली टर्निंग पॉइंट चीन में इसकी रिलीज साबित हुआ। चीन में इस सरस्रे थ्रिलर ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए 91 करोड़ रुपये से अधिक का बिजनेस किया। फिल्म निर्माता सुधन सुंदरम के अनुसार, चीन में फिल्म की इस अप्रत्याशित सफलता के बाद ही एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने हॉलीवुड रीमेक राइट्स के लिए निर्माताओं से संपर्क किया। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर यह अफवाहें

जोर पकड़ रही थी कि 'इंटरस्टेलर' और 'डलास बायर्स वलर' फेम ऑस्कर विजेता अभिनेता मैथ्यू मैककॉनाहे इस रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। जब निर्माता सुधन सुंदरम से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह सच है कि हॉलीवुड रीमेक के लिए किसी 'ए-लिस्ट' स्टार को साइन किया जा रहा है और प्रोजेक्ट पर काम अगले साल शुरू होगा। हो सकता है मैथ्यू उन एक्टरों में शामिल हों जिनसे एजेंसी बातचीत कर रही है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि कास्टिंग एजेंसी की तरफ से ही की जाएगी। निथिलन स्वामीनाथन द्वारा निर्देशित और 'द रुट', 'थिक स्टूडियोज' व 'पैशन स्टूडियोज' द्वारा निर्मित यह एक 'नियो-नोडर' काइम थ्रिलर फिल्म है। कहानी एक साधारण नाई (विजय सेतुपति) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस स्टेशन में अपनी चोरी हुई डस्टबिन जिसका नाम उसने 'लक्ष्मी' रखा है, की शिकायत दर्ज करने पहुंचता है।



शोभिता धुलिपाला स्टार 'वेट्टुवम' की दुनिया आई सामने

साउथ सिनेमा मच अरेटेंड फिल्म 'वेट्टुवम' का टीजर या यूँ कहें कि 'वेट्टुवम' की दुनिया को समझाने के लिए मेकर्स ने एक वीडियो जारी किया है। इस फिल्म की कहानी पंकज त्रिपाठी सुना रहे हैं और शुरुआत भी उनकी ही झलक के साथ की गई है। वीडियो की शुरुआत में कुछ ऐसी झलकियाँ हैं जो आपके पुराने दौर में लेकर जाती हैं। पंकज त्रिपाठी की आवाज में इस फिल्म का ताना-बाना बुना गया है। इस फिल्म में दर्शक अलग-अलग गुटों के बीच जमीन पर अपना दबदबा कायम करने की लड़ाई देख सकते हैं। इन लड़ाइयों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है और इसी वजह से पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल आर्ट्स में महारत हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है।

सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पट उठा दिया है

था, रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इसी लेकर जबरदस्त उत्साह देखने मिल रहा है।

मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पट उठा दिया है। बता दें कि यह कुछ ऐसा है जिसे कभी किसी ने नहीं देखा है। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साब हो गयी है कि फिल्म डायरेक्टर हार बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं।

वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं

मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें 'वेट्टुवम' की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषों में शेयर किए गए वीडियो में जहां हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेजगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किष्वा सुदीप और मलयालम में सीथिन शाहिर की आवाज सुनाने मिल रही है। बता दें कि वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बता करते हुए उनपर रोशनी डाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के

उन नतीजों पर रोशनी डालती है और जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीज आधिकारिक प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती है। बताया गया है कि यह बार-बार आने वाली आपदाएं ईंसानों के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं। एक्टरों की भी दमदार झलक देखने मिल रही है मेकर्स द्वारा शेयर किये गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में 'वेतुवम' का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए मल्लखर्ब को अलग नजरिये से दिखाया गया है।

'वेट्टुवम' की कास्ट

फिल्म में एक बेस्ट टैलेन्टेड स्टार कास्ट है, जिसमें आर्या, वी. आर. दिनेश, शोभिता धुलिपाला, कलैयारासन, माइरा गोपी, गुरु सोमासुंदरम, शबीर कल्लारवाकल, जॉन विजय, साई धीना, आनंद

सामी, हरीश उथमन, लिजी, लिंगेश प्रेम कुमार, कथिता भारती, अर्जुन, संथा कुमार, मेलेडी, मनीषा, निम्मी, राफेल, विक्रम, नवीन, और प्रकाश का नाम शामिल है।

तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज के लिए तैयार

इस फिल्म को पा. रंजीत ने सिर्फ डायरेक्टर कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम, और कन्नड़ में एक पैन-इंडिया रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म को एस. साई दानंद, एस. साई वेंकटेश्वरन, और पा. रंजीत द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म को 'लर्न एंड टीच प्रोडक्शंस' और 'नीलम प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जो दिसंबर 2026 में रिलीज के लिए तैयार है।



सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के सभी 7 महाविद्यालयों में रंगोली स्पर्धा का आयोजन

छात्र-छात्राओं ने रंगों के माध्यम से सेवा, संकल्प और राष्ट्र निर्माण का दिया संदेश, प्रतिभागियों को मिले प्रमाण पत्र

नई दृष्टिविंदु / खैरागढ़

सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत जिले के सभी 7 शासकीय महाविद्यालयों में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित इस रचनात्मक गतिविधि में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंगों और कलात्मक आकृतियों के माध्यम से सेवा, संकल्प, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों को अभिव्यक्त किया।

अवंती बाई लोधी शासकीय महाविद्यालय छुईखदान, शासकीय नवीन महाविद्यालय टेलकाडीह सहित जिले के सभी 7 महाविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोलियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकार और सकारात्मक संदेशों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।



शासकीय महाविद्यालय साबदेवा में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में 220 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में बीएससी पंचम सेमेस्टर की चांदनी, रोशनी और भूमिका रजक के समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीएससी तृतीय सेमेस्टर की यशिता, रश्मा और श्रियंका का समूह द्वितीय तथा बीएससी पंचम सेमेस्टर की शिंकी और मल्लिका का समूह तृतीय स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सहभागिता के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस गतिविधि से विद्यार्थियों को अपनी कला एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना से जुड़ने का अवसर मिला।

सेवा की कहानी : विरायू योजना से डिम्पल के जीवन में लौटी मुरकान

खैरागढ़ सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत शासन की योजनाओं और जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के माध्यम से समय पर हुई स्वास्थ्य जांच ने ग्राम डुरानदी, विकासखंड छुईखदान की 12 वर्षीय डिम्पल यादव



पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी।

के जीवन में नई उम्मीद जगाई। पहले स्कूल में पढ़ाई के दौरान डिम्पल बार-बार बेहोश हो जाती थी और उसकी तबीयत बिगड़ जाती थी, जिससे उसकी

इसी दौरान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की विरायू टीम-बी, छुईखदान द्वारा विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षा किया गया। जांच के दौरान डिम्पल की स्वास्थ्य समस्या की पहचान हुई। आवश्यक परीक्षण में उसके हृदय में छेद होने की जांच हो गई। विरायू टीम द्वारा उसे तत्काल उच्च स्वास्थ्य संस्थान में उपचार के लिए सेंद्रित किया गया। समय पर उपचार मिलने के बाद डिम्पल के स्वास्थ्य में सुधार आया और अब वह निर्यात रूप से स्कूल जा रही है।

आज डिम्पल स्वस्थ है और पूर्ण मन से अपनी पढ़ाई जारी रख रही है। स्कूल में अब उसे पहले जैसी परेशानी नहीं होती। बेटी के स्वास्थ्य में सुधार से परिवार को भी राहत मिली है। समय पर हुई स्वास्थ्य जांच और उपचार की सुविधा ने डिम्पल को फिर से सामान्य जीवन और पढ़ाई की राह पर लौटने में मदद की है।

खास खबर

कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी द्वारा किसानों को दी गई समसामयिक सलाह, फसलों में रोग व कीटों की पहचान कर समय पर करें नियंत्रण



नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी राजनांदगांव द्वारा किसानों को धान की फसल में वर्तमान समय में दिखाई देने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान, उनके लक्षण तथा रासायनिक एवं समेकित नियंत्रण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. गुज्जन झा तथा फार्म मैनेजर डॉ. आशीष गौरव शुक्ला ने बताया कि धान की फसल में तना छेदक, पत्ती लपेटक, भूरा माहु, गंधी बग एवं पैक्लिड माइट जैसे प्रमुख कीट तथा जीवाणु जनित सुलसा, ब्लास्टर एवं शीथ ब्लाइट जैसे रोग फसल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल की नियमित निगरानी कर प्राथमिक अवस्था में ही कीट एवं रोगों की पहचान करने की सलाह दी है।

तना छेदक की पहचान डेड हार्ट एवं व्हाइट ईयर के लक्षणों से की जा सकती है। प्राथमिक प्रकोप में प्रोफेनोफॉस 40 प्रतिशत + साइपरमेथिन 4 प्रतिशत इसी 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ तथा अधिक प्रकोप की स्थिति में क्लोरिड्राइमिथोस 9.3 प्रतिशत + लैम्ब्डा-हाइड्रोलोथिन 4.6 प्रतिशत जेडसी 100 मिलीलीटर प्रति एकड़ का प्रयोग किया जा सकता है। पत्ती लपेटक पहचान के मुद्दे 7 तना पत्तियों पर सफेद धारियां दिखाई देना इसका प्रमुख लक्षण है। रासायनिक नियंत्रण के लिए प्रोफेनोफॉस 40 प्रतिशत + साइपरमेथिन 4 प्रतिशत इसी 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ का उल्लेख किया गया है। भूरा माहु पौधों के निचले हिस्से में कीटों का समूह दिखाई देता है तथा अधिक प्रकोप में हॉपर वर्म के कारण पौधे गोलाकार क्षेत्र में सूखने लगते हैं। नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एससी 100 मिलीलीटर प्रति एकड़ अथवा डाइनोटेमुरान 10 प्रतिशत + पाइरेथ्रॉइन 40 प्रतिशत डब्ल्यूजी 100 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग किया जा सकता है।

गंधी बग दुधिया अवस्था में यह दानों का रस चूसकर दानों को अधभरा, खोखला या खराब कर सकता है। आवश्यकता पड़े पर लैम्ब्डा-हाइड्रोलोथिन 5 प्रतिशत इसी 100 मिलीलीटर प्रति एकड़ का प्रयोग किया जा सकता है। पैक्लिड माइट धारियां निकलने के आधार पर इसका प्रयोग होने पर दाने अधभरे, बदरंग या चोकर जैसे हो सकते हैं। प्रस्तुति के अनुसार ढेर से करले निकलने की अवस्था में डाइफेन्थीयरिन 50 प्रतिशत डब्ल्यूजी 1-2 ग्राम प्रति लीटर पानी S-प्रोपिकोनॉज़ोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी डिफेन्थीयरिन का प्रयोग किया जा सकता है। जीवाणु जनित सुलसा पहचान के किनारे या छिसे से पीले एवं पानी से भीगे हुए खब्बे दिखाई देना इसका प्रमुख लक्षण है। नियंत्रण के लिए खेत में उचित जल निकास एवं सुवर्णित उर्वरक प्रबंधन के साथ कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यूजी 500 ग्राम प्रति एकड़ + स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट 90 प्रतिशत + टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोराइड 10 प्रतिशत एसपी 20 ग्राम प्रति एकड़ का उल्लेख किया गया है।

ब्लास्ट रोग पत्तियों पर हरे अथवा नाव के आकार के धब्बे तथा गर्दन ब्लास्ट में बालियों की गर्दन पर भूरा-काला धेरा दिखाई देता है। नियंत्रण के लिए ट्राइसाइक्लोराइड 75 प्रतिशत डब्ल्यूजी 120 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग किया जा सकता है। शीथ ब्लाइट पत्तों की खोप पर अंडाकार एवं अनियमित हरे-धूसर धब्बे दिखाई देते हैं, जो बाद में ऊपर की पत्तियों तक फैल सकते हैं। रासायनिक नियंत्रण के लिए हेक्साक्लोरोज 5 प्रतिशत एससी 350 मिलीलीटर प्रति एकड़ का उल्लेख किया गया है। कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी राजनांदगांव द्वारा रासायनिक दवाओं का प्रयोग केवल आवश्यकता एवं अनुशंसित मात्रा के अनुसार ही करने तथा कीट एवं रोगों की सही पहचान के बाद ही निम्नलिखित उपाय अवगत तथा आवश्यक एवं बार-बार कीटनाशकों के प्रयोग बचने की सलाह दी गई। संतुलित उर्वरक उपयोग, उचित जल प्रबंधन, खेत की नियमित निगरानी एवं समेकित कार्य एवं रोग प्रबंधन को अपनकर फसल को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

योजना का लाभ

श्रमिक मां के बेटे के सपनों को मिली नई उड़ान, योजना से निःशुल्क आवासीय शिक्षा का मिला अवसर

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

श्रीमती ललितेश्वरी सिन्हा का सपना था कि उनका बेटा भी बड़े स्कूल में पढ़े, अंजीबी बोले, कम्प्यूटर सीखे और अपने सपनों को पूरा करे। लेकिन मजदूरी की कमाई में निजी स्कूल की फीस और हॉस्टल का खर्च उठाना उनके लिए संभव नहीं था। आज शासन की योजना से उनके बेटे को यह अवसर मिला है। अब उन्हें उसकी पढ़ाई की फीता नहीं है। यह कहना है राजनांदगांव शहर के मन्ता नगर वार्ड क्रमांक 18 की निवासी एवं निर्माण श्रमिक श्रीमती ललितेश्वरी सिन्हा का।

श्रीमती ललितेश्वरी सिन्हा ठेकेदार के अधीन मजदूरी का कार्य करती हैं। सीमित आय के बावजूद उन्होंने अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने का सपना संजोया था। ललितेश्वरी सिन्हा के बेटे पिछले सिन्हा ने कक्षा 5वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की। इसी दौरान ब्रम विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों से उन्हें छात्रावास भवन एवं अन्य सुविधाओं के माध्यम से निःशुल्क आवासीय शिक्षा का अवसर मिला। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने ब्रम विभाग के पोर्टल के

भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण में तेजी लाने उप मुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री के कड़े निर्देश

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने की समीक्षा

नई दृष्टिविंदु / कवर्धा

स्वदेश दर्शन योजना के तहत लगभग 146 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किए जा रहे भोरमदेव कॉरिडोर के सभी प्रोजेक्ट की प्रगति की आज उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कबीरधाम के जिला पंचायत सभाकक्ष में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कई निर्माण कार्य अपेक्षा के अनुरूप गति से नहीं चलने पर दोनों मंत्रियों ने संबंधित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने हर 15 दिन के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में ठोस प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण कार्यों में अपेक्षित गति नहीं होने पर अब जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर 15 दिन में कार्य की प्रगति निर्माण स्थल पर दिखाई देनी चाहिए। निर्धारित के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर जिम्मेदार ठेकेदारों को कार्य से पृथक करने के साथ अनुबंध की शर्तों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक परियोजना है। ठेकेदार एजेंसियों की लापरवाही की भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होगी, वहां संबंधित ठेकेदार को कार्य से पृथक कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अनुबंध की शर्तों के तहत ब्लैक लिस्ट सहित अन्य कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी प्रोजेक्ट के लिए 15-15 दिन की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।



भोरमदेव मार्ग और आसपास के क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव क्षेत्र में अतिक्रमण की स्थिति का बिनाहटा कर सख्त कार्रवाई के साथ अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भोरमदेव जाने वाले मुख्य मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश तहसीलदार को दिए। उन्होंने कहा कि रास्ते एवं वन विभागीय की भूमि का श्रृंखल रूप से निरीक्षण किया जाए और यदि कहीं अतिक्रमण पाया जाते हैं तो नियमानुसार उसे तत्काल हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण कर कड़े कार्रवाई अंतर्गत शासकीय भूमि का सुव्यवस्थित उपयोग पाकिंग सहित अन्य अनुसूचित क्षेत्रों के विकास के लिए किया जा सकता है। साथ ही पूरे मार्ग को व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कार्ययोजना केवल काराजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि निर्धारित अवधि के बाद निर्माण स्थल पर उसका परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। पर्याप्त मशीनरी, मानव संसाधन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भोरमदेव क्षेत्र का विकास आने वाले कड़े वर्षों का आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इसलिए प्रत्येक निर्माण कार्य मजबूत, टिकाऊ और निर्धारित गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं

किया जाएगा। मां में किसी तरह की तकनीकी अथवा अन्य समस्या आने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल इसकी जानकारी दें, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। इसलिए सभी संबंधित एजेंसियां पूरी गंभीरता और आगामी भोरमदेव महोत्सव तक निर्माण कार्यों में स्पष्ट और दिखाई देने वाली प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पीएमसी, ठेकेदारों और भोरमदेव विकास समिति के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही पीएमसी को भूमिका एवं जिम्मेदारियों को समीक्षा कर तकनीकी निगरानी को और प्रभावी बनाने का कहा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई कार्यों के कायदेशीर जारी हुए 8 से 09 माह हो चुके हैं, इसके बावजूद निर्माण कार्य अपेक्षा के अनुरूप गति से नहीं चल रहे हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी ठेकेदारों को पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत करने तथा प्रत्येक 15 दिन में किए जाने वाले कार्यों का लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भोरमदेव महोत्सव से 10 दिन पहले तक निर्धारित कार्यों को पूरा करने की समय-सीमा तय की जाए। प्रत्येक 15 दिन में कार्यों की प्रगति की समीक्षा होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्य

नुककड़ नाटक के जरिए शासकीय योजनाओं, सेवा-समर्पण और जनभागीदारी का दिया गया संदेश

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जिले में जनजागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। डॉंगारा एवं राजनांदगांव विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा नमो सेवा - अनकही कहानियां विषय पर नुककड़ नाटक की प्रभावी प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने सेवा, समर्पण, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की सहभागिता का संदेश दिया।

डोंगारा विकासखंड के पीएमसी स्कूल डॉंगारा में



एवं नीरज विद्यामंदिर के विद्यार्थियों ने शहर के चौक पर नुककड़ नाटक प्रस्तुत कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, जनसेवा एवं समाज के विकास में जनभागीदारी के महत्व को रोचक एवं प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति में सेवा भावना और सामाजिक

जिम्मेदारी से जुड़े संदेशों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसी क्रम में ग्राम करमतरा में ग्राम पंचायत भवन के समीप स्कूली बच्चों द्वारा नुककड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। पंचायत के जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक नाटक का अवलोकन किया। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा विकास कार्यों में सक्रिय भागीदार बनने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

वहीं राजनांदगांव विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला अंजोरा एवं पूर्व माध्यमिक शाला खपरिकला के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में नुककड़ नाटक के माध्यम से वर्ष 2047 के विकसित भारत की

संस्कृति, शासन की योजनाओं एवं सेवा भावना पर आधारित संदेश प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने अभिनय एवं संवाद के माध्यम से वर्तमान उपलब्धियों के साथ विकसित भारत के निर्माण में युवाओं एवं आम नागरिकों की भूमिका को रेखांकित किया। इस दौरान प्रत्येक विद्यार्थी ने उत्साहपूर्वक प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन नुककड़ नाटकों का उद्देश्य सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के संदेश को जन-जन तक सरल एवं प्रभावी माध्यम से पहुंचाना था। आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों से जोड़ना है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर मंत्री दयाल दास बघेल ने ली समीक्षा बैठक

नई दृष्टिविंदु / बेमेतरा

प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल ने कलेक्ट्रेट में सेवा संकल्प अभियान में प्रतिभागियों के प्रति निर्धारित कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर सुशील प्रतीक्षा मगगाई, जिला पंचायत अधिकारी सुशील प्रेमलता पचाकर सहित सभी विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री बघेल ने अभियान के तहत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा, तिथि एवं स्थान तय करते हुए सभी विभागों को अपनी समन्वय के साथ जिम्मेदारीपूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए।

अभियान के प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं- 23 सितंबर - नगर पंचायत बेमेतरा में वृहद रज्ज्वा अभियान 125

सितंबर - ग्राम पंचायत मऊ में रज्ज्वा कार्यक्रम 26 सितंबर - नवागढ़ में महिला समारोह एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में महिला खेलकूद कार्यक्रम 127 से 30 सितंबर तक - प्रत्येक विकासखंड में खाद्य विभाग द्वारा विशेष शिविर (शिविर में रसना काटने से वंचित हस्तशिल्पियों के नए रासन काट बचाए जाएंगे, ई-केवाईसी एवं भविष्य योजनाओं की जानकारी व लाभ प्राप्ति सुनिश्चित किया जाएगा। 2 अक्टूबर - संवत्सर में पौधाधारण कार्यक्रम। 7 अक्टूबर - नवागढ़ में सेवा रज्ज्वा विभाग एवं रंगोली प्रतियोगिता 19 अक्टूबर - नवागढ़ एवं साज में रक्तदान शिविर का आयोजन। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्त तक पहुंचाने का माध्यम है, इसलिए सभी कार्यक्रमों को जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जाए।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उर्लाई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है।)। संपन्न विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दाय होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100